SET-1

Series SGN/R

कोड नं.
Code No. **2/1/R**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **4** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)
HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*
Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।*
(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*
(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

खण्ड - क

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20-30 शब्दों में दीजिए :** 15

कितनी अजीब बात है, जीवन से तो हर व्यक्ति को प्रेम है, लेकिन उम्र से सभी डरते हैं। हम जीवन को कितना ही कसकर पकड़ें, इस सच को अनदेखा नहीं कर सकते कि मौत साथ में खड़ी है। जब हम यह भय पालते हैं तब हम किस चीज़ को जीवन कहते हैं? क्या साँस लेना ही जीने का नाम है? या जीवन कुछ और है - कुछ अधिक विशाल, कुछ अधिक गहरा?

जिसे हम जीवन कहते हैं, जन्म से लेकर मृत्यु तक, वह उम्र के लंबे सफ़र के अलावा कुछ नहीं है। मनुष्य का जीवन ठीक वैसा ही है जैसे बीज से फूल और फिर फल तक की यात्रा। उसमें उम्र के मोड़ हैं जो खिलने की अलग-अलग अवस्थाएँ हैं। बचपन, किशोरावस्था, यौवन, मध्य आयु, बुढ़ापा और मृत्यु। इसे हम इसी तरह देखें जैसे बीज, अंकुर, पत्ते, कली, फूल और फल जो वृक्ष की भिन्न-भिन्न भंगिमाएँ हैं।

वृक्ष के पास मन नहीं है इसलिए इन मूढ़ताओं से बच जाता है लेकिन आदमी की यह स्थिति नहीं है। वह निरंतर चुनाव करता रहता है कि, बचपन अच्छा है, जवानी कठिन है, या जवानी अच्छी है और बुढ़ापा तो बदतर, बदसूरत। इस तरह लेबल लगाने से वे अवस्थाएँ रुकती नहीं हैं, वे तो नियम के अनुसार आती-जाती रहती हैं, लेकिन हम पूरे जीवन का आनंद लेने में सफल नहीं होते। जीवन के साथ हमारा मिलना ही नहीं हो पाता।

(क) अजीब बात किसे कहा गया है और क्यों? 2

(ख) हम जीवन को लेकर क्या भय पाल लेते हैं? 2

(ग) मनुष्य के जीवन की तुलना किससे की गई है और क्यों? 2

(घ) जीवन को लेखक ने कैसे समझाया है? अपने शब्दों में लिखिए। 2

(ङ) वृक्ष से मनुष्य की स्थिति किन अर्थों में अलग है? 2

(च) 'वृक्ष के पास मन नहीं है' - यदि होता तो? कल्पना करके संक्षेप में लिखिए। 2

(छ) आशय स्पष्ट कीजिए : "इस तरह लेबल लगाने से ये अवस्थाएँ रुकती नहीं हैं" 2

(ज) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

2. **नीचे लिखे काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए।** 1x5=5

त्याग, तप, करुणा, क्षमा से भीगकर
व्यक्ति का मन तो बली होता मगर -
हिंस्र पशु जब घेर लेते हैं उसे
काम आता है बलिष्ठ शरीर ही।
कौन केवल आत्मबल से जूझकर
जीत सकता देह का संग्राम है?
पाशविकता खड्ग जब लेती उठा
आत्मबल का एक बस चलता नहीं।
और तू कहता मनोबल है जिसे
शस्त्र हो सकता नहीं वह देह का
क्षेत्र उसका तो मनोमय भूमि है
नर जहाँ लड़ता ज्वलंत विकार से।

(क) त्याग, तप, करुणा आदि गुण कब काम नहीं आते और क्यों?

(ख) आत्मबल क्या होता है और कब व्यर्थ हो जाता है?

(ग) मनोबल कब मनुष्य के लिए उपयोगी होता है?

(घ) काव्यांश के द्वारा क्या संदेश दिया गया है?

(ङ) भाव स्पष्ट कीजिए - 'पाशविकता खड्ग जब लेती उठा
आत्मबल का एक बस चलता नहीं।'

खण्ड - ख

3. **निम्नलिखित में से *किसी एक* विषय पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।** 5

(क) शिक्षित भारत - विकसित भारत

(ख) पर्यावरण स्वच्छता में मेरा योगदान

(ग) बाढ़ का वह दृश्य

(घ) युवाओं के लिए खेल

4. सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में अंग्रेज़ी भाषा की अनिवार्यता समाप्त करने का आग्रह करते हुए अपनी राज्य सरकार के गृह मंत्री को लगभग 150 शब्दों में एक पत्र लिखिए। 5

5. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 20-30 शब्दों में उत्तर दीजिए।** 1x5=5

(क) समाचार लेखन के 'ककारों' का उल्लेख कीजिए।

(ख) खोजी पत्रकारिता किसे कहते हैं?

(ग) पत्रकारिता में द्वारपाल की भूमिका कौन निभाते हैं?

(घ) इलेक्ट्रानिक मीडिया की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए।

(ङ) 'संपादकीय' से क्या आशय है?

6. 'महानगरों में स्वच्छ हवा का संकट' विषय पर एक आलेख 150 शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

आपके द्वारा हाल में पढ़ी गई खेल-कूद संबंधी किसी पुस्तक की संतुलित समीक्षा कीजिए।

7. 'गाँवों की ओर पसरता प्लास्टिक संकट' विषय पर एक फीचर 150 शब्दों में लिखिए। 5

खण्ड - ग

8. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 30 शब्दों में लिखिए।** 2x4=8

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी।
जीविका विहीन लोग सीद्यमान सोच बस,
कहै एक एकन सों 'कहाँ जाई, का करी?'
वेदहूँ पुरान कही, लोकहू बिलोकिअत,
साँकरे सबै पै, राम! रावरे कृपा करी।

(क) तुलसी के काल में समाज में बढ़ी बेरोजगारी की स्थिति का चित्रण कीजिए।

(ख) आपस में लोग क्या बातें कर रहे हैं और क्यों?

(ग) लोग राम से ही कृपा करने का आग्रह क्यों कर रहे हैं?

(घ) 'बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी' - पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अंगना-अंग से लिपटे भी
आतंक-अंक पर काँप रहे हैं।
धनी, वज्र-गर्जन से बादल।
त्रस्त, नयन मुख ढाँप रहे हैं।
जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर!

(क) बादलों के गर्जन का प्रतीकार्थ क्या है?

(ख) किसानों की स्थिति कैसी है? वे किसे बुला रहे हैं?

(ग) 'विप्लव के वीर' किसे कहा है और क्यों?

(घ) शोषक वर्ग की क्या स्थिति है? वे त्रस्त क्यों हैं?

9. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखिए।** 3x2=6

खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए

(क) काव्यांश के भाषिक सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए।
(ख) काव्यांश के बिंब को स्पष्ट कीजिए।
(ग) काव्यांश में प्रयुक्त अलंकारों का सौंदर्य समझाइए।

10. **निम्नलिखित में से *किन्हीं दो* प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30-40 शब्दों में दीजिए।** 3x2=6

(क) 'उषा' कविता में गाँव की सुबह का चित्रण किस रूप में किया गया है? स्पष्ट कीजिए।
(ख) फिराक की ग़ज़ल के आधार पर मनुष्य के चुपचाप रोने के कारण बताइए।
(ग) खेत को कागज का पन्ना कहने में क्या भाव निहित है?

11. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 30 शब्दों में दीजिए :** 2x4=8

इस चिलकती धूप में इसतना सरस वह कैसे बना रहता है? क्या वे बाह्य परिवर्तन - धूप, वर्षा, आँधी, लू - अपने आप में सत्य नहीं हैं? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर, का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था। क्यों मेरा मन पूछता है कि, ऐसा क्यों संभव हुआ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है। शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है। गांधी भी वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर हो सका था।

(क) शिरीष के विशेष गुणों का उल्लेख कीजिए।
(ख) शिरीष को अवधूत क्यों कहा गया है?
(ग) धूप, वर्षा, आँधी, लू - अपने आप में सत्य क्यों नहीं हैं?
(घ) 'एक बूढ़ा' किसे कहा गया है? उसकी दो विशेषताएँ लिखिए।

12. **निम्नलिखित में से *किन्हीं चार* प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30-40 शब्दों में दीजिए।** 3x4=12

(क) डॉ. भीमराव आंबेडकर के मत से 'दासता' की व्यापक परिभाषा समझाइए।
(ख) 'मोहब्बत कस्टम से इस तरह गुज़र जाती है कि कानून हैरान रह जाता है' - 'नमक' कहानी के आधार पर आशय स्पष्ट कीजिए।
(ग) चार्ली कौन था? लेखक ने चार्ली का भारतीयकरण किसे कहा है?
(घ) आप कैसे कह सकते हैं कि पहलवान की ढोलक की थाप मृत गाँव में संजीवनी शक्ति भरती रहती थी?
(ङ) 'बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है' - कथन का विवेचन कीजिए।

13. 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि, सिंधु सभ्यता के अवशेषों से किन प्राचीन जीवन मूल्यों का पता चलता है? 5

14. (क) 'जूझ' के लेखक पर सौंदलगेकर की किन विशेषताओं का प्रभाव पड़ा? लगभग 150 शब्दों में लिखिए। 5
(ख) यशोधर पंत की तीन प्रमुख चारित्रिक विशेषताओं का सोदाहरण उल्लेख लगभग 150 शब्दों में कीजिए। 5